हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 62 | जौनपुर, सोमवार 27 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

हेड कोच के पद से राहुल द्रविड़ की छुट्टी होना तय

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत में खेले गए विश्व कप 2023 में हर के बाद अब हेड कोच को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय टीम के हेड कोच को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। इसी बीच माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने राहुल द्रविड़ से हेड कोच के तौर पर उनकी भूमिका की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की है। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम का तीसरी बार विश्व चौंपियन बनने का सपना टूट गया था। वर्ल्ड कप के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ का कॉन्ट्रैक्ट भी खत्म हो गया है। अब देखना है कि यह कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ता है या हेड कोच की जिम्मेदारी किसी अन्य दिग्गज को सौंपी जाती है। संभावना है कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड हेड कोच के लिए किसी अन्य नाम पर विचार कर रहा है।

म्यूजिक कॉन्सर्ट में मची भगदड़, 4 छात्रों की मौत

कोच्चि (एजेन्सी)। केरल सरकार ने कोच्चि में बीती शनिवार रात कोचीन विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव के दौरान मची भगदड़ के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना में चार विद्यार्थियों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हो गए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और कोचीन विश्वविद्यालय के कुलपति व रजिस्ट्रार समेत तीन सदस्यीय टीम को भगदड़ की घटना की जांच करने का निर्देश दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्री ने अधिकारियों को गहन जांच करने और एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि भगदड़ मशहूर गायिका निकिता गांधी के यहां कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीयूएसएटी) के खुले सभागार में आयोजित संगीत समारोह में प्रस्तुति देने से पहले हुई।

हैदराबाद से मंगाया गया प्लाज्मा कटर

उत्तरकाशी (एजेन्सी)। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में पिछले 14 दिन से फंसे 41 श्रमिकों को निकालने के लिए जारी बचाव अभियान में इस्तेमाल की रही ऑगर मशीन के मलबे में फंसे हिस्सों को काटकर हटाने के लिए हैदराबाद से हवाई मार्ग के जरिए एक प्लाज्मा मशीन मंगाई गई है। बचाव कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मशीन को पूरी तरह से हटाना आवश्यक है। श्रमिकों को बाहर निकालने का मार्ग तैयार करने के लिए मलबे में हाथ से ड्रिलिंग के जरिए पाइप डालने होंगे। इसके अलावा लंबवत ड्रिलिंग के लिए पहाड़ी की चोटी पर सुरंग के ऊपर एक ड्रिल मशीन भेजी गई है। भारतीय सेना की 'कोर ऑफ इंजीनियर्स' के समूह 'मद्रास सैपर्स' की एक इकाई बचाव कार्यों में सहायता के लिए रविवार को घटनास्थल पहुंची।

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हमास और इजराइल के बीच चार दिवसीय युद्धविराम से दक्षिण लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी शांति बहाल होने लगी है। युद्ध के चलते जो लोग गांव में अपने घर खाली करके चले गए थे वे अब वापस लौटने लगे हैं।

बंद दुकानें फिर से खुल गई हैं और सड़कों पर वाहन भी नजर आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इजराइल–हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला और इजराइली बलों के बीच कई बार संघर्ष देखा गया, जिसके कारण सीमावर्ती इलाकों से लगभग 55,500 लेबनानी नागरिक अपने घर छोड़कर चले गए।

यूपी विधानसभा सत्र : सदन में मोबाइल लेकर नहीं जा सकेंगे नेता, 66 साल बाद नए नियमों से संचालित होगा सत्र

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आगामी 28 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। 66 साल बाद योगी सरकार में विधानसभा सत्र नये नियमों के साथ संचालित होगा। पिछले सत्र में ही बदलावों को अनुमति मिलने के बाद अब इस सत्र से इन्हें लागू कर दिया जाएगा। इसके अंतर्गत अब नेताओं को सदन में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा सत्र के दौरान सदन में झंडा और बैनर ले जाने पर भी प्रतिबंध होगा। वहीं योगी सरकार के दौरान नारी शक्ति को प्राथमिकता देने के संकल्प का सदन में भी असर देखने को मिलेगा। सत्र के दौरान महिला सदस्यों को बोलने में खास वरीयता दी जाएगी। मंगलवार से शुरू होने जा रहे यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के वर्तमान और भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया जाएगा। वहीं 29 नवंबर को प्रथम पहर में सदन में औपचारिक कार्य, जिसमें अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि को सदन के पटल पर रखा जाएगा। साथ ही विधेयकों का पुनःस्थापन कार्य होगा। दोपहर 12:30 के बाद वित्तीय वर्ष 2023–24 के अनुपूरक अनुदानों की मांगों का प्रस्तुतिकरण एवं अन्य विधाई कार्य निपटाए जाएंगे। इस सत्र की सबसे खास बात ये रहेगी कि महिला सदस्यों को बोलने में वरीयता दी जाएगी। सत्र के तीसरे दिन 30 नवंबर को वित्तीय वर्ष 2023–24 के अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा होगी।

सदस्यगणों की मांगों पर विचार एवं मतदान होगा। साथ ही विनियोग विधेयक का सदन की अनुज्ञा से पुनःस्थापन का कार्य होगा। इसके अलावा अन्य विधाई कार्य निपटाए जाएंगे। वहीं शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन 1 दिसंबर को विधायी कार्य निपटाए जाएंगे। इसके अंतर्गत अब नेताओं को सदन में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा सत्र के दौरान सदन में झंडा और बैनर ले जाने पर भी प्रतिबंध होगा। इस सत्र की सबसे खास बात ये रहेगी कि महिला सदस्यों को बोलने में वरीयता दी जाएगी। सत्र के तीसरे दिन 30 नवंबर को वित्तीय वर्ष 2023–24 के अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा होगी। सदस्यगणों की मांगों पर विचार एवं मतदान होगा। साथ ही विनियोग विधेयक का सदन की अनुज्ञा से पुनरूस्थापन का कार्य होगा। इसके अलावा अन्य विधाई कार्य निपटाए जाएंगे। वहीं शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन 1 दिसंबर को विधायी कार्य निपटाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आगामी 28 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। 66 साल बाद योगी सरकार में विधानसभा सत्र नये नियमों के साथ संचालित होगा। पिछले सत्र में ही बदलावों को अनुमति मिलने के बाद अब इस सत्र से इन्हें लागू कर दिया जाएगा। इसके अंतर्गत अब नेताओं को सदन में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा सत्र के दौरान सदन में झंडा और बैनर ले जाने पर भी प्रतिबंध होगा। वहीं योगी सरकार के दौरान नारी शक्ति को प्राथमिकता देने के संकल्प का सदन में भी असर देखने को मिलेगा।

आप के 11 साल पूरे होने पर अरविंद केजरीवाल को याद आए मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार 26 नवंबर को आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर बड़ा बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने दोस्त और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी याद किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं है। पार्टी की स्थापना 11 वर्षों पहले की गई थी। इस खास मौके पर अरविंद केजरीवाल ने एक पार्टी से इसके राष्ट्रीय पार्टी बनने के सफर को याद किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी 'आम आदमी पार्टी' की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार–चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आई लेकिन हम सबके जज्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है। आप इस समय दिल्ली और पंजाब की सत्ता में है और कई अन्य राज्यों में अपना जमीनी आधार बढ़ा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट में कहा, एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों के दौरान आम आदमी पार्टी के खिलाफ सरकारों ने 250 मामले दर्ज किए है,।

नागरिकों पर आए संकट में उनके साथ खड़ा भारत, हर कदम पर पहुंचाई मदद

भारत ने सक्रियता दिखाते हुए ऑपरेशन अजय की शुरुआत की है, जिसके जरिए इजराइल में फंसे हुए भारतीय को स्वदेश वापस लाने की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इन दिनों इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है। इजरायल की ओर से युद्ध की घोषणा के बाद पूरी दुनिया में गंभीर संकट छा गया था। दोनों देशों के बीच जारी युद्ध मे कई लोगों की जीवनलीला समाप्त हुई है। इस युद्ध की स्थिति को देखते हुए भारत ने सक्रियता दिखाते हुए ऑपरेशन अजय की शुरुआत की है, जिसके जरिए इजराइल में फंसे हुए भारतीय को स्वदेश वापस लाने की प्रक्रिया जारी है। वहीं जो भारतीय सफलतापूर्व इजराइल के गंभीर युद्ध संकट से निकलकर स्वदेश लौटने में सफल हुए हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के इस ऑपरेशन अजय के प्रति आभार जताया है। भारत सरकार के ऑपरेशन अजय से लौटी महिला ने भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पूरे भारतीय सिस्टम का आभार जताया जिनके सकारात्मक कदमों की बदौलत वो अन्य यात्रियों के साथ स्वदेश सकुशल लौट सकीं। उन्होंने कहा कि भारतीय राजदूत और दूतावास के प्रयासों की बदौलत ही हम सुरक्षित स्वदेश लौट सकें है। ये कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं बल्कि संकटग्रस्त इजराइल से सुरक्षित लैटे कई भारतीयों की है। कई भारतीय सुरक्षित वतन वापस लौटे, जिसकी खुशी में विमान में ही उन्होंने वंदे मातरम का जयघोष किया। भारत ने अपने अभियान ऑपरेशन अजय के दौरान नेपाल के भी कुछ नागरिकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की थी। 22 अक्टूबर तक ऑपरेशन अजय के तहत छह उड़ानें भारत पहुंच चुकी है। भारत ने किसी अंतरराष्ट्रीय संकट के दौरान अपने नागरिकों की तत्परता से सहायता की है। इसी के साथ भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन की प्रेरणा से आपात स्थिति में देश के नागरिकों को भी मानवीय सहायता दी है। गौरतलब है कि ये पहला मौका नहीं है जब भारत सरकार ने विदेश में फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के लिए कदम उठाए है। इस बार भी भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित की गई है। दुनिया भर में कहीं भारतीयों के परेशानी में फंसे हुए होने की जानकारी मिलती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तत्काल कदम उठाते है। उन्होंने अपनों की मदद के लिए हमेशा कदम उठाए है। इसका उदाहरण कई बार देखने को मिला है। बात अगर यमन में तनाव की हो जब 4000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस वतन लाया गया था। इसके अलावा कोरोना काल में दो लाख से अधिक विमान फेरों से विदेशों में फंसे करोड़ों भारतीय को वापस लाया गया था। भारत ने विदेशों में फंसे अपने देश के लोगों को बाहर निकालने में कभी देरी नहीं की है। इसका उदाहरण तब भी देखने को मिला जब अफगानिस्तान में तालिबानियों के कब्जे के बाद भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए कदम उठाए गए है।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का दीक्षांत : राज्यपाल ने की बड़ी घोषणा, अब घर बैठे मिलेगी डिग्री

वाराणसी (एजेन्सी)। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्र–छात्राओं को डिग्रियों के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं काटने होंगे। जल्द ही छात्र–छात्राओं को डिग्रियां ऑनलाइन मिलने लगेंगी। दीक्षांत समारोह के साथ ही उपाधियों को डिजीलॉकर पर अपलोड कर दिया जाएगा। शनिवार को शुरुआत संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के 41वें दीक्षांत समारोह से हुई। समारोह शुरू होने से पहले राज्यपाल ने जैसे ही बटन दबाया 14,167 उपाधियां डिजीलॉकर में अपलोड हो गईं। राज्यपाल ने कहा कि यह तो बस शुरुआत भर है। प्रदेश के 32 विश्वविद्यालयों में इस व्यवस्था को पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस सुविधा के शुरू होने के बाद छात्र–छात्राएं देश में कहीं से भी अपनी डिग्री और उपाधि प्राप्त कर सकेंगे। इससे उन्हें चक्कर काटने से निजात मिलेगी। साथ ही राज्यपाल ने संस्कृत के ऑनलाइन प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया। प्रदेश सरकार ने ऑनलाइन प्रशिक्षण केंद्र व लैब के लिए एक करोड़ 16 लाख रुपये दिए हैं। इस केंद्र से लोग घर बैठे संस्कृत के 10 पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकेंगे। ज्योतिष, कर्मकांड, संस्कृत भाषा शिक्षण, व्याकरण, दर्शन, वेदांत की ऑनलाइन कक्षाएं चलेंगी।

उत्तरकाशी में फांसी मजदूरों को बाहर निकालने के लिए की जाएगी वर्टिकल ड्रिलिंग

हर सुबह की किरण यह उम्मीद लेकर आती है कि शायद आज बाहर आ जाएंगे लेकिन अब तक यह खुशखबरी देश की जनता को नहीं मिल सकी है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तरकाशी में टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए मशक्कत लगातार जारी है। टनल में फंसें 41 मजदूरों के जीवन पर संकट लगातार मंडरा रहा है। हालांकि रेस्क्यू टीम नए–नए तरीके खोज कर टनल से मजदूरों को बाहर निकालने की पुरजोर कोशिश में जुटी हुई है। हर सुबह की किरण यह उम्मीद लेकर आती है कि शायद 41 मजदूर आज बाहर आ जाएंगे लेकिन अब तक यह खुशखबरी देश की जनता को नहीं मिल सकी है। हर बीते दिन के साथ लोगों की उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार 25 नवंबर को भी मजदूरों को निराशा का सामना करना पड़ा जब रिस्क में लगी अमेरिका से आई ओर्गर मशीन ने जवाब दे दिया। मशीन का ब्लेड खराब होने के कारण वह काम नहीं कर सकी। मशीन खराब होने के बाद माना जा रहा है कि वर्टिकल ड्रिलिंग के जरिए काम आगे बढ़ाया जाएगा। मजदूरों को बहार निकालने के लिए एक ही विकल्प बचा है कि पहाड़ के ऊपर से ड्रिल किया जाए और मजदूरों की जान बचाई जाए। वर्टिकल ड्रिलिंग करने के लिए बड़ी मशीन भेजी जा रही है। मजदूरों की जान बचाने के लिए अब वर्टिकल ड्रिल की जाने की तैयारी है। आईआईटी गुवाहाटी में सिविल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर विवेक पद्मनाभ ने आजतक को बताया कि सुरंग बनाने के दौरान मिट्टी और चट्टानों पर दबाव पड़ता है। यह एक तरह का भू दबाव है जिससे संतुलन बिगड़ता है। टनल में मजदूरों की जान बचाने के लिए अब वर्टिकल ड्रिलिंग की जाएगी जिसमें पृथ्वी की सतह के नीचे अर्थ शाफ्त बनाते हुए होल किए जाते है। इन होल की मदद से वेंटिलेशन और संचार हो पाता है। पिछले 13 दिनों से उत्तरकाशी सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के अभियान में बार–बार आ रही रुकावटों के बीच, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कहा कि पहाड़ों पर काम करते समय कुछ भी भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि अंदर फंसे मजदूरों की हालत स्थिर है और वे बाहर डेरा डाले अपने रिश्तेदारों से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा। काम करने वालों पर किसी प्रकार का दवाब नहीं डालना है। याद रखना है कि जहां भी काम हो रहा है वे खतरनाक है। मशीन खराब होने के बाद माना जा रहा है कि वर्टिकल ड्रिलिंग के जरिए काम आगे बढ़ाया जाएगा। मजदूरों को बहार निकालने के लिए एक ही विकल्प बचा है कि पहाड़ के ऊपर से ड्रिल किया जाए और मजदूरों की जान बचाई जाए।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला, छह और पुलिसकर्मी निलंबित

चंडीगढ़ (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनवरी 2022 में पंजाब की यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा में चूक के मामले में छह और पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के साथ ही इन छह पुलिसकर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है। राज्य के गृह विभाग के 22 नवंबर के आदेश के अनुसार, दो पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों–परसोन सिंह और जगदीश कुमार, निरीक्षक जतिंदर सिंह और बलविंदर सिंह, उपनिरीक्षक जसवंत सिंह और सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। वर्तमान में बठिंडा जिले में पदस्थ पुलिस अधीक्षक गुरबिंदर सिंह को शनिवार को निलंबित किया गया था। आदेश के अनुसार, सभी पुलिसकर्मियों को पंजाब सिविल सेवा नियम (सजा और अपील) 1970 की धारा आठ के तहत आरोपपत्र में नामित किया गया है। फिरोजपुर में पांच जनवरी 2022 को प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई नाकेबंदी के कारण प्रधानमंत्री मोदी का काफिला एक फ्लाईओवर पर फंस गया था, ।

शहर की वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार, लेकिन अभी भी खराब श्रेणी में

वायु गुणवत्ता पर नजर रखने वाली एजेंसियों को उम्मीद है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम संबंधी परिस्थितियों में रविवार से सुधार हुआ है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को वायु गुणवत्ता आंशिक रूप से सुधरी लेकिन अब भी वह ''बहुत खराब'' की श्रेणी में है। वायु गुणवत्ता पर नजर रखने वाली एजेंसियों को उम्मीद है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम संबंधी परिस्थितियों में रविवार से सुधार हुआ है। दिल्ली में नवंबर में 10 दिन वायु गुणवत्ता 'गंभीर' रही है। पिछले साल नवंबर में दिल्ली में वायु गुणवत्ता तीन दिन गंभीर श्रेणी में रही थी, जबकि नवंबर 2021 में यह स्थिति 12 दिन रही थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने जब से वायु गुणवत्ता सूचकांक पर नजर रखनी शुरू की है, तब से नवंबर में 2021 में सबसे अधिक दिन वायु गुणवत्ता ''गंभीर'' श्रेणी में रही थी। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2020 में वायु गुणवत्ता नौ दिन, 2019 में सात दिन, 2018 में पांच दिन, 2017 में सात दिन, 2016 में 10 दिन और 2015 में छह दिन ''गंभीर'' श्रेणी में रही थी। न्यूनतम तापमान में गिरावट और रात में हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषकों के एकत्र होने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को फिर से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गयी थी। शहर में अपराह्न चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 389 था जबकि सुबह आठ बजे यह 421 दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक वैज्ञानिक ने रविवार से पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित कर सकने वाले एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण मौसम संबंधी स्थितियों में संभावित सुधार के परिणामस्वरूप प्रदूषण से थोड़ी राहत मिलने का अनुमान जताया है दिल्ली के एक्यूआई में गत रविवार को मामूली सुधार के बाद से लगातार वृद्धि हो रही है। दिल्ली में 24 घंटे का औसत एक्यूआई प्रतिदिन शाम चार बजे दर्ज किया जाता है, जो शुक्रवार को 415, बृहस्पतिवार को 390, बुधवार को 394, मंगलवार को 365, सोमवार को 348 और रविवार (19 नवंबर) को 301 रहा था। केंद्र ने हवा की अनुकूल गति और दिशा के कारण प्रदूषण के स्तर में गिरावट के बाद पिछले शनिवार को दिल्ली में कुछ परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध सहित कड़े प्रतिबंध हटा दिए थे, जिसके बाद एक्यूआई के स्तर में वृद्धि हुई है।

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' एवं 450 के ऊपर 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

हमास ने रिहा किए 13 इजराइली और चार विदेशी बंधक, IDF ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के तहत हमास ने 13 इजराइली और चार विदेशी बंधकों को रिहा किया है। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में फलस्तीनी कैदियों की अदला–बदली के दूसरे दौर के तहत इन बंधकों को रिहा किया गया है।

सेना ने कहा कि 'रेड क्रॉस' के प्रतिनिधियों ने रिहा किए गए बंधकों को शनिवार देर रात मिस्र पहुंचाया। उन्हें बाद में शाम को इजराइल ले जाया जाएगा। हमास ने इजराइल पर युद्ध विराम समझौते की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए बंधकों की रिहाई कई घंटों तक टाले रखी, जिसके कारण तनावपूर्ण गतिरोध पैदा हो गया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता प्रयासों से इस गतिरोध को अंततरू दूर कर दिया गया। हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था, जिसके बाद इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हमला किया।

सम्पादकीय

डिजिटल इंडिया मिशन का किस तरह चुनावी फायदा मिलेगा मोदी का

चुनाव के इस माहौल में प्रधानमंत्री मोदी की तमाम सभाओं और कार्यक्रमों के दौरान उनका डिजिटल इंडिया मिशन खासा काम आ रहा है। हाल ही में झारखंड के आदिवासियों के बीच पहुंचे मोदी के कार्यक्रमों और जनजाति गौरव यात्रा के दौरान भी उनके इस मिशन का फायदा नजर आया। अपनी सरकार की दो पारियों की उपलब्धियां गिनाते हुए मोदी के लिए इन यात्राओं में जो मजबूत जनाधार दिख रहा है, वह है ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के उन ग्रामीण उद्यमियों का, जिनकी संख्या अब बीस लाख से भी ज्यादा हो गई है। देशभर में करीब साढ़े पांच लाख सीएससी चल रहे हैं और हरेक सीएससी से कई लोग जुड़े हैं। इन केंद्रों का मकसद खासकर देश के तमाम गांवों में लोगों को ई–गवर्नेंस की सुविधा देकर सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत सामान्य सेवा केंद्रों (ब्ब्) का एक बड़ा नेटवर्क बनाया है। अगर सरकारी दावे की बात करें, तो संसद में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि 2022 की फरवरी तक देशभर में 4,63,705 सीएससी काम कर रहे हैं, जिनमें करीब 15 लाख लोग काम करते हैं। देश के करीब ढाई लाख ग्राम पंचायतों में से ज्यादातर ग्राम पंचायतें इस सेवा से जुड़ी हैं और इन्हें ग्राम स्तरीय उद्यमी यानी वीएलई चलाते हैं। आम तौर पर देश में लाखों ऐसे लोग हैं, जिन्हें आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति या आवास प्रमाण पत्र जैसे तमाम दस्तावेजों के लिया भटकना पड़ता है। वैसे तो तमाम शहरों में ऐसे कई केंद्र आपको मिल जाएंगे जो मोटी रकम लेकर ये दस्तावेज बनवाने का काम करते हैं, लेकिन सरकारी तौर पर सीएससी यह काम करता है और इसके जरिये लोगों को मुफ्त में ये सारी सुविधाएं देता है। और अब तो सरकारी तौर पर मुफ्त कानूनी सहायता देने का काम भी इसके जरिये किया जा रहा है। सामाजिक न्याय मंत्रालय के मुताबिक न्याय विभाग और सीएससी–एसपीवी की ओर से चलाई जा रही टेली लॉ सेवा के तहत अबतक 59 लाख से भी ज्यादा लोगों को मुफ्त कानूनी सलाह का लाभ मिला है। अगर आप दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में जाएंगे, तो वहां एमएसएमई के स्टॉल में आपको सीएससी के वालंटियर्स मिल जाएंगे। उनके मुताबिक इस कार्यक्रम से उन्हें काफी लाभ मिला है और यह मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। उनका कहना है कि वैसे तो इस योजना की शुरुआत कांग्रेस की सरकार के दौरान 2009 में ही हुई थी, लेकिन 2015 में सीएससी 2.0 के बाद डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत इसमें जबरदस्त तेजी आई और इसका गांव–गांव में विस्तार हुआ। खासकर सुदूर आदिवासी इलाकों में महिलाओं और दिव्यांगों में इस योजना का विस्तार हुआ है। ऐसे ही एक लाभार्थी हैं झारखंड के पवन ठाकुर। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने ग्रामीण उद्यमी यानी वीएलई बनकर अपने साथ अपने गांव वालों की जिंदगी भी संवारी। पवन ठाकुर का रघुनाथपुर गांव आदिवासी बहुल और बेहद पिछड़ा हुआ है। न स्मार्टफोन है और न ही इंटरनेट की सुविधा। लेकिन इस गांव में सीएससी खोलकर वह यहां और आसपास के गांवों के 500 से ज्यादा छात्रों को डिजिटल शिक्षा देने के साथ तमाम सुविधाएं भी दे रहे हैं। इंटरनेट और मोबाइल के इस जमाने में एक तरफ तो सरकार सबको ई–गवर्नेंस से जोड़कर हर तरह की सरकारी सेवाओं का लाभ देने की कोशिश कर रही है, वहीं कई ऐसे फर्जी केंद्र भी देश के कुछ हिस्सों में चल रहे हैं, जो खुद को सरकार की सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) का हिस्सा बताकर लोगों का काम आसानी से करवाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। सीएससी एसपीवी के प्रबंध निदेशक और सीईओ संजय राकेश के मुताबिक हाल के वर्षों में सीएससी के नाम का इस्तेमाल करके फर्जी हेल्पलाइन नंबरों से लोगों को ठगे जाने के कई मामले सामने आए हैं, इसलिए लोगों को जागरूक रहने और इस बारे में पूरी जांच पड़ताल के बाद अपनी जानकारियां साझा करनी चाहिए। दरअसल डिजिटल इंडिया मिशन के तहत जुलाई 2015 के बाद से जिस तेजी से काम हुआ है, उसमें आर्थिक लेन–देन से लेकर ई–कॉमर्स और ई–शॉपिंग का एक लंबा सिलसिला शुरू हो चुका है। धीरे धीरे यह सबकी जरूरत बन गया है। बेशक ऐसे में धोखेबाजी और ठगी के भी कई किस्से सामने आए हैं, लेकिन सरकार ने उससे निपटने के लिए लोगों को जागरूक करने का भी अभियान चला रखा है।

हम सौभाग्यशाली हैं कि अपने साथी इंसानों के प्रति दया का उच्चतम भाव रख सकते हैं

इस हफ्ते की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर 'द रेलवेमैन' देखते हुए एक खास दृश्य पर मेरी आंखें भर आईं। वो एक पत्रकार थे, जिन्होंने 1984 में घटी भोपाल गैस त्रासदी का पहले ही अनुमान लगा लिया था और गैस लीक के बाद अपनी जान खतरे में डालते हुए स्कूटर पर लोगों की जान बचाईं। उन्होंने एक गर्भवती महिला और उसके अजन्मे शिशु को भी बचाया। गैस लीक से भोपाल के 15 हजार लोगों की मौत के बाद यूनियन कार्बाइड के मालिक को जब चार्टर विमान से 'सुरक्षित' बचाकर ले जाया जा रहा था, तो एयरपोर्ट के बाहर खड़े इस शख्स की आंखों में आंसू थे। मेरी भी आंखों में आंसू थे क्योंकि इस रीयल लाइफ पत्रकार राजकुमार केसवानी (इस वेब सीरीज के किरदार की प्रेरणा) ने मेरी और उनके घर पर हुई बैठकी में जब भी मुझे गैस त्रासदी की कहानी सुनाई तो हर बार उनकी आंखों में आंसू होते थे। वह बेहद सख्त पत्रकार पर बड़े दिल वाले इंसान भी थे और जब लोगों की पीड़ा की बात आती तो उतने ही दयालु थे। मैं हमेशा सोचता कि क्या ऐसे लोग कम होते हैं और नवी मुंबई में अपोलो अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ. संजीव जाधव ने इस सोमवार को मुझे गलत साबित कर दिया। वह महाराष्ट्र के पिंपरी–चिंचवड़ से एक ब्रेन डेड व्यक्ति के फेफड़े, केरल के एक मरीज की जान बचाने के लिए चेन्नई ले जा रहे थे। केरल का वह मरीज पहले से ही ऑपरेशन टेबल पर था। ऑर्गन रिसीव करने वाला शख्स पिछले 72 दिनों से एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन पर था, यह हाईएस्ट लाइफ सपोर्ट है। अगर ट्रांसप्लांट नहीं हुआ होता, तो उसकी मौत हो जाती। रास्ते में डॉ. जाधव की एंबुलेंस शायद टायर फटने से एक ब्रिज की दीवार से टकरा गई और दो अन्य वाहनों से भी टक्कर हो गई, इससे एंबुलेंस ड्राइवर और इसमें मौजूद अन्य डॉक्टर्स को भी चोट आई। डॉ. जाधव के पैर में, हाथ और सिर में चोट लगी। प्रोटोकॉल के तहत ऐसी स्थिति में आमतौर पर एक अतिरिक्त गाड़ी पीछे–पीछे चलती है। पर डॉक्टर्स ने दुर्घटना का ख्याल नहीं किया और आगे बढ़ने का फैसला किया। डॉ. जाधव, बाकी डॉक्टर्स और उनकी टीम, जिनमें ज्यादातर लोग जख्मी थे, वे उनके पीछे आ रहे बैकअप वाहन में सवार हुए और चेन्नई के लिए चार्टर प्लाइट पकड़ने के लिए पुणे के लोहेगांव एयरपोर्ट पहुंचे। मेडिकल टीम में से कुछ लोग जख्मी ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाने के लिए वहीं रुके रहे। चार्टर विमान चेन्नई में समय पर उतरा और फेफड़े ठीक रात को 8.30 बजे अपोलो हॉस्पिटल पहुंचाए गए। मंगलवार को देर रात 1.30 बजे ट्रांसप्लांट पूरा हुआ। ऐसा जरूरी नहीं कि सिर्फ डॉक्टर्स जैसे पेशेवर लोग ही करूणा दिखा सकते हैं। कोई भी कर सकता है। एक महिला पुलिसकर्मी का उदाहरण लें, जिन्होंने दो महीने के मातृत्व अवकाश के बाद नौकरी जॉइन की। दो दिन पहले केरल के एर्नाकुलम महिला पुलिस थाने में उन्हें कंट्रोल रूम से एक फोन आया, जिसमें अलर्ट मिला कि जनरल हॉस्पिटल में एक अजीब केस आया है, जहां बिहार की एक महिला चार बच्चों के साथ गंभीर हालत में है। मां को आईसीयू में सर्जरी के लिए भर्ती कराया गया और वह ऑपरेशन के बाद की जटिलता से जूझ रही थीं। मसला ये था कि उन चार बच्चों की देखभाल के लिए कोई नहीं था। पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और चारों बच्चों को पुलिस स्टेशन ले आए और तीन बच्चों के लिए खाने–पीने का इंतजाम किया, लेकिन चौथे को नहीं संभाल पा रहे थे। और तब जाकर करुणा का दृश्य दिखा, हाल ही में मां बनी पुलिस अधिकारी आगे आईं और बच्चे को स्तनपान कराया। और पुलिस अधिकारियों द्वारा नवजात की देखभाल करने का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया।

मोदी बनाम कांग्रेस के स्थानीय क्षेत्रों में है मुकाबला

विनोद अग्निहोत्री

इन विधानसभा चुनावों के प्रचार में मूर्खों के सरदार से लेकर पनौती जैसे विशेषणों ने न सिर्फ भाषा की मर्यादा तो तार तार कर दिया बल्कि राजनीतिक विरोध किस हद तक शत्रुता में बदल चुका है यह भी बता दिया। छत्तीसगढ़ में महादेव एप के कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर लगने वाले आरोपों और मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे के करोड़ों रुपए के लेन देने के कथित वीडियो ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को भी प्रचार के केंद्र में ला दिया। राजस्थान में कन्हैयालाल हत्याकांड के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हिंदुत्व के ध्रुवीकरण का अपना चिर परिचित दांव चला तो चारो राज्यों में लगातार जातीय जनगणना और पिछड़ों दलितों आदिवासियों की हिस्सेदारी का मुद्दा उठाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय ध्रुवीकरण का नया दांव आजमाने की पूरी कोशिश की है। मध्य प्रदेश जहां 2018 में कांग्रेस ने थोड़े अंतर से जीत कर अपनी सरकार बनाई थी,

उत्तर भारत के तीन प्रमुख राज्यों मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान में विधानसभा चुनावों का शोर थम चुका है। वादों का दौर बीत चुका है और अब दलों के अपने अपने दावे हैं।तीन दिसंबर को इन चुनावों के नतीजे आ जाएंगे और तय हो जाएगा कि अगले साल अप्रैल–मई में होने वाले लोकसभा चुनावों में सत्ता पक्ष और विपक्ष में कौन ज्यादा जोश और हौसले से मैदान में उतरेगा। लेकिन इन विधानसभा चुनावों में दोनों तरफ से जो सियासी माहौलबंदी हुई है उसने साफ कर दिया है कि लोकसभा चुनावों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इससे भी ज्यादा घमासान होगा जितना कि इन चुनावों में हुआ है। इन चुनावों में मुख्य रूप से मुकाबला परिवर्तन और निरंतरता के नारों के बीच हुआ। जहां मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने परिवर्तन का नारा देकर चुनाव लड़ा तो छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने परिवर्तन की बात की। जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा ने निरंतरता को मुद्दा बनाया तो छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस ने निरंतरता के लिए वोट मांगे। इन विधानसभा चुनावों के प्रचार में मूर्खों के सरदार से लेकर पनौती जैसे विशेषणों ने न सिर्फ भाषा की मर्यादा तो तार तार कर दिया बल्कि राजनीतिक विरोध किस हद तक शत्रुता में बदल चुका है यह भी बता दिया। छत्तीसगढ़ में महादेव एप के कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर लगने वाले आरोपों और मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे के करोड़ों रुपए के लेन देने के कथित वीडियो ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को भी प्रचार के केंद्र में ला दिया। राजस्थान में कन्हैयालाल हत्याकांड के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हिंदुत्व के ध्रुवीकरण का अपना चिर परिचित दांव चला तो चारो राज्यों में लगातार जातीय जनगणना और पिछड़ों दलितों आदिवासियों की हिस्सेदारी का मुद्दा उठाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय ध्रुवीकरण का नया दांव आजमाने की पूरी कोशिश की है। मध्य प्रदेश जहां 2018 में कांग्रेस ने थोड़े अंतर से जीत कर अपनी सरकार बनाई थी, लेकिन 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक विधायकों के साथ दलबदल के बाद भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार बनाने से यहां चुनाव का मुख्य मुद्दा भाजपा और शिवराज सरकार के 18 साल बनाम कमलनाथ और कांग्रेस के डेढ़ साल के शासन और दलबदल करके सरकार छीनने का बन गया। अपने लंबे शासनकाल को लेकर पार्टी और जनता में संभावित सत्ता विरोधी रुझान को कमजोर करने के लिए शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना के जरिए पात्र महिलाओं के खाते में बारह सौ रुपए प्रतिमाह देने का मजबूत दांव चला। जिसकी काट के लिए कांग्रेस योजना की राशि बढ़ाकर 15 सौ रुपए करने की घोषणा की।पूरा चुनाव लाड़ली बहना योजना बनाम कांग्रेस की गारंटियों के बीच लड़ा गया। जहां कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में परिवर्तन का नारा दिया तो भाजपा ने निरंतरता को अपना मुद्दा बनाया। अब जनता परिवर्तन के साथ गई या निरंतरता के इसे लेकर अलग अलग दावे हैं, लेकिन जहां कांग्रेस ने बिना घोषणा के कमलनाथ को अपना चेहरा बनाकर चुनाव लड़ा वहीं भाजपा ने पहले शिवराज सिंह चौहान को पीछे रखा और यहां तक कि पहली तीन सूचियों में उनके टिकट की भी घोषणा नहीं हुई। बाद में जब शिवराज खुद जनता के बीच जाकर चुनाव लड़ने या न लड़ने पर लोगों से राय लेने लगे तो भाजपा ने चौथी सूची में उनकी सीट बुधनी से उन्हें अपना उम्मीदवार बना दिया। बावजूद इसके पूरे चुनाव में शिवराज तो अपनी सबसे बड़ी योजना लाड़ली बहना का जिक्र करके वोट मांगते रहे लेकिन भाजपा के अन्य सभी शीर्ष नेताओं ने ज्यादा वक्त कांग्रेस पर हमला करने में बिताया। मध्य प्रदेश के उलट छत्तीसगढ़ में भाजपा ने बदलाव का नारा दिया तो कांग्रेस द्वारा निरंतरता के लिए भूपेश बघेल सरकार के द्वारा किए गए तमाम लोक कल्याणकारी कामों को गिनाते हुए अगली सरकार बनने पर कई अन्य लोक कल्याणकारी लोकलुभावन योजनाएं जारी करने की घोषणा की गई। भाजपा ने बघेल सरकार और खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए लेकिन बघेल ने किसानों आदिवासियों और गरीबों के कल्याण के लिए उनकी सरकार द्वारा तमाम कामों का ब्यौरा देते हुए भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए यह साबित करने की कोशिश की कि भाजपा किसानों आदिवासियों मजदूरों युवाओं के हितों के खिलाफ है। यहां भाजपा हिंदुत्व को मुद्दा नहीं बना सकती क्योंकि बघेल सरकार ने राम वन गमन पथ, माता कौशल्या मंदिर से लेकर गोसेवा के कार्यक्रमों के जरिए हिंदुत्व की धार को नरम कर दिया।साथ ही भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया का नारा देकर खुद को छत्तीसगढ़िया पहचान का प्रतीक बनाने का दांव भी चला। राजस्थान में भी इस बार लड़ाई बेहद दिलचस्प हो गई है। इस राज्य में 1993 से लगातार हर पांच साल में सत्ता बदलने का रिवाज है और इसीलिए हर चुनाव में आमतौर पर यह कहना आसान होता था कि चुनाव कौन जीत सकता है।

लेकिन इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलौत के लोक कल्याण के कार्यक्रमों और लोकलुभावना योजनाओं और घोषणाओं ने चुनाव को कड़े मुकाबले का बना दिया है।भाजपा की तरफ से सबसे सघन प्रचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया तो कांग्रेस की तरफ से अशोक गहलोत पूरे चुनाव का सर्वमान्य चेहरा रहे। भाजपा ने यहां कथित लाल डायरी के जरिए भ्रष्टाचार, पर्चा लीक, महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे तो उठाए ही, साथ ही हिंदुत्व का तड़का लगाकर ध्रुवीकरण की पूरी कोशिश की है। उधर हर सभा में जातीय जनगणना और जितनी जिसकी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी का नारा देकर राहुल गांधी ने सामाजिक ध्रुवीकरण का दांव भी चला। कांग्रेस की तरफ से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी ने भी पूरा जोर लगाया।जहां खरगे के जरिए कांग्रेस ने दलितों आदिवासियों को साधने की कोशिश की है तो वहीं प्रियंका को आगे रखकर महिलाओं को आकर्षित करने की रणनीति भी रही है। भाजपा की तरफ से मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी राजस्थान चुनाव प्रचार में सक्रिय रहे।योगी के जरिए भी भाजपा ने बुलडोजर और हिंदुत्व को भुनाने की पूरी कोशिश की है। लेकिन इस बार सबसे दिलचस्प है कि किसी भी दल ने बॉलीवुड के सितारों को अपने चुनाव प्रचार में नहीं बुलाया। कहीं स्थानीय स्तर पर कुछ कलाकार भले ही किसी प्रत्याशी के चुनाव प्रचार के लिए आए हों लेकिन जिस तरह पिछले चुनावों में कई नामी सितारों और खेल हस्तियों को प्रचार मैदान में उतारा जाता रहा है, इस बार वैसी कोई गूंज या धूम नहीं दिखाई दी।कांग्रेस भाजपा और अन्य सभी दलों ने पूरा चुनाव अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के दम और भरोसे पर लड़ा है जो राजनीति के लिए एक अच्छी बात है। राजस्थान में कन्हैयालाल हत्याकांड के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हिंदुत्व के ध्रुवीकरण का अपना चिर परिचित दांव चला तो चारो राज्यों में लगातार जातीय जनगणना और पिछड़ों दलितों आदिवासियों की हिस्सेदारी का मुद्दा उठाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय ध्रुवीकरण का नया दांव आजमाने की पूरी कोशिश की है। मध्य प्रदेश जहां 2018 में कांग्रेस ने थोड़े अंतर से जीत कर अपनी सरकार बनाई थी, लेकिन 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक विधायकों के साथ दलबदल के बाद भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार बनाने से यहां चुनाव का मुख्य मुद्दा भाजपा और शिवराज सरकार के 18 साल बनाम कमलनाथ और कांग्रेस के डेढ़ साल के शासन और दलबदल करके सरकार छीनने का बन गया। अपने लंबे शासनकाल को लेकर पार्टी और जनता में संभावित सत्ता विरोधी रुझान को कमजोर करने के लिए शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना के जरिए पात्र महिलाओं के खाते में बारह सौ रुपए प्रतिमाह देने का मजबूत दांव चला। जिसकी काट के लिए कांग्रेस योजना की राशि बढ़ाकर 15 सौ रुपए करने की घोषणा की।पूरा चुनाव लाड़ली बहना योजना बनाम कांग्रेस की गारंटियों के बीच लड़ा गया। जहां कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में परिवर्तन का नारा दिया तो भाजपा ने निरंतरता को अपना मुद्दा बनाया। अब जनता परिवर्तन के साथ गई या निरंतरता के इसे लेकर अलग अलग दावे हैं, लेकिन जहां कांग्रेस ने बिना घोषणा के कमलनाथ को अपना चेहरा बनाकर चुनाव लड़ा वहीं भाजपा ने पहले शिवराज सिंह चौहान को पीछे रखा और यहां तक कि पहली तीन सूचियों में उनके टिकट की भी घोषणा नहीं हुई। बाद में जब शिवराज खुद जनता के बीच जाकर चुनाव लड़ने या न लड़ने पर लोगों से राय लेने लगे तो भाजपा ने चौथी सूची में उनकी सीट बुधनी से उन्हें अपना उम्मीदवार बना दिया। बावजूद इसके पूरे चुनाव में शिवराज तो अपनी सबसे बड़ी योजना लाड़ली बहना का जिक्र करके वोट मांगते रहे लेकिन भाजपा के अन्य सभी शीर्ष नेताओं ने ज्यादा वक्त कांग्रेस पर हमला करने में बिताया। मध्य प्रदेश के उलट छत्तीसगढ़ में भाजपा ने बदलाव का नारा दिया तो कांग्रेस द्वारा निरंतरता के लिए भूपेश बघेल सरकार के द्वारा किए गए तमाम लोक कल्याणकारी कामों को गिनाते हुए अगली सरकार बनने पर कई अन्य लोक कल्याणकारी लोकलुभावन योजनाएं जारी करने की घोषणा की गई।

इस राह पर 50 देशों से बेहतर है हमारा रिकॉर्ड

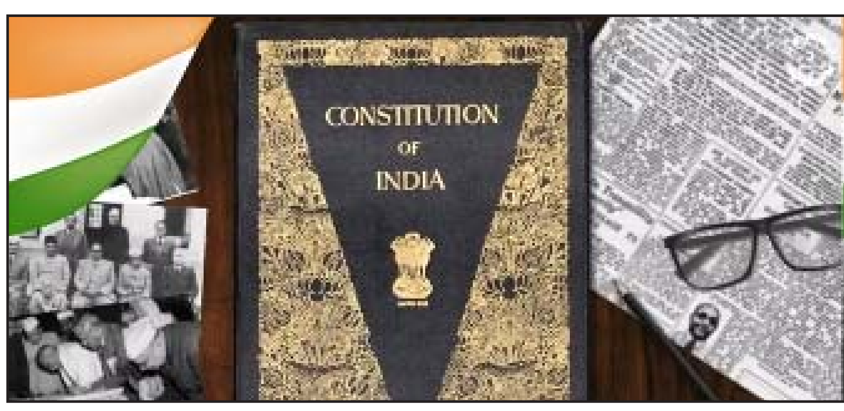

हमारे संविधान के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने रामराज्य का सपना देखा था, जिसमें सभी समान हों। सभी लोग कानून की मर्यादा में रहें। राज्यसत्ता को राम की खड़ाऊं मानकर तथा अपने आपको उसका सेवक मानकर जनता की सेवा करें। कानून का पालन निष्पक्षतापूर्वक हो। निर्णय लेते समय किसी का भय न हो तथा किसी वस्तु का लालच उन्हें विचलित न कर सके। बीते वर्षों में हमने संविधान के तमाम आदर्शों के पालन का प्रयास किया है। और अधिकतर मामलों में हमारा रिकॉर्ड शानदार रहा है। हमारे साथ आजाद हुए करीब 50 देशों में से कहीं भी लोकशाही वहां के जनजीवन में वह पैठ नहीं बना पाई है, जो हमारे देश में बनी है।

हरबंश दीक्षित

चौहत्तर वर्ष पहले 26 नवंबर, 1949 को हमने अपने संविधान को अधिनियमित तथा अंगीकृत किया था। किसी राष्ट्र के जीवन काल में यह बहुत बड़ा कालखंड नहीं माना जाता, किंतु इन वर्षों में उस राष्ट्र के भविष्य की पीठिका तैयार हो जाती है। संविधिक विकास के लिहाज से शुरुआती कुछ दशक अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इनमें कानूनी व्यवस्था का नया ढांचा तैयार होता है, उसे आत्मसात करने की परंपरा विकसित की जाती है तथा कानून की न्यायिक व्याख्या की दिशा तय होती है। संविधान के माध्यम से हमने अपने राष्ट्र को प्रभुता संपन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया तथा समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय देने का संकल्प लिया। हमने ऐसे समाज की परिकल्पना की, जिसमें विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म तथा उपासना की स्वतंत्रता के साथ ही सभी नागरिकों के लिए प्रतिष्ठा और अवसर की समानता हो। संविधान आजादी और खुशहाली के वादे का दस्तावेज होता है। संविधान हमें सपने देखने और उसके मुताबिक समाज निर्माण करने की आजादी और जज्बे को भी निरूपित करता है। उसमें केवल काले–सफेद अक्षरों की भरमार नहीं होती, बल्कि वह सुशासन के लिए लिपिबद्ध भावपुंज भी होता है। लेकिन उसे मजबूती देने के दायित्व का निर्वहन उसके नागरिकों को करना होता है। हमारे संविधान के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने रामराज्य का सपना देखा था, जिसमें सभी समान हों। सभी लोग कानून की मर्यादा में रहें। राज्यसत्ता को राम की खड़ाऊं मानकर तथा अपने आपको उसका सेवक मानकर जनता की सेवा करें। कानून का पालन निष्पक्षतापूर्वक हो। निर्णय लेते समय किसी का भय न हो तथा किसी वस्तु का लालच उन्हें विचलित न कर सके। बीते वर्षों में हमने संविधान के तमाम आदर्शों के पालन का प्रयास किया है। और अधिकतर मामलों में हमारा रिकॉर्ड शानदार रहा है। हमारे साथ आजाद हुए करीब 50 देशों में से कहीं भी लोकशाही वहां के जनजीवन में वह पैठ नहीं बना पाई है, जो हमारे देश में बनी है। हमारे पड़ोसी देशों–पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे किसी भी देश में लोकतंत्र कभी खुली हवा में सांस नहीं ले पाया। वह हर समय सैनिक तानाशाही की संगीनों से भयभीत रहा। इस बीच हम सत्रह बार आम चुनावों के माध्यम से केंद्र की सत्ता के शालीन हस्तांतरण के गौरवपूर्ण क्षणों के साक्षी रहे हैं। आम आदमी का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। भारतीयों ने पूरे विश्व में अपनी क्षमता की छाप छोड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम सम्मान से देखे जाते हैं। इसके बावजूद कुछ ऐसे क्षण आए हैं, जब हमने संविधान की मर्यादा से छेड़छाड़ की है, उसे चोट पहुंचाई है और उसकी अवमानना की है। हमारे इस आचरण ने संविधान की प्रतिष्ठा और हमारे लोकतंत्र को चोट पहुंचाई है। हमें उन पर ध्यान देने की जरूरत है। उन दोषों के परिकरण की आवश्यकता है। हमारा संविधान सामाजिक और आर्थिक न्याय का जीवंत दस्तावेज है। आजादी के बाद के वर्षों में किए गए प्रयास इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। जमींदारी उन्मूलन जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां राष्ट्र के खाते में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हैं। विश्व के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब कुछ हजार जमींदारों से जमीन लेकर लाखों भूमिहीन किसानों को दे दी गई और यह सब कुछ बगैर किसी का खून बहाए हुए शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। दुनिया में कोई ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं है, जहां इतने व्यापक भूमि सुधार इतने शांतिपूर्वक संपन्न हुए हों। कम्युनिस्ट देश अपने लाखों नागरिकों का खून बहाकर भी भूमि सुधारों के क्षेत्र में जो कुछ हासिल करने में सफल नहीं हो पाए, उसे हमने शांतिपूर्वक लागू कर दिया, जिसका लाभ आज पूरे देश को मिल रहा है। शिक्षा सामाजिक उन्मेष की आधारशिला है। यह ज्ञान की नई दुनिया का प्रवेश द्वार खोलती है, स्वतंत्र विचारधारा विकसित करने में मदद करती है, भ्रांतियों के अंधकार से बाहर निकालती है और आत्मविश्वास व स्वाभिमान में वृद्धि करती है। इसे संविधान के अनुच्छेद 21(क) के रूप में मूल अधिकार का दर्जा दिया गया है। राज्यों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के प्रयास हो रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा अशिक्षित नहीं रहे, उसे आगे बढ़ने में कोई बाधा न रहे। यह बहुत बड़ा कदम है। संविधान का अनुच्छेद 370 और अदृश्य अनुच्छेद 35(अ) हमारे मर्मस्थल पर चुभे हुए कांटे जैसा था। चार वर्ष पहले इस दिशा में की गई सार्थक पहल ने समता, स्वतंत्रता और स्वाभिमान को व्यापकता दी। जम्मू–कश्मीर के अलगाववाद से निपटने में आने वाली सबसे बड़ी बाधा दूर हुई। एक राष्ट्र, एक विधान और एक निशान का संकल्प पूरा हुआ। अब वहां जाने के लिए किसी परमिट की जरूरत नहीं है। देश के दूसरे हिस्से की तरह अब वहां पर शेष भारत का कोई भी व्यक्ति बस सकता है और संपत्ति खरीद सकता है। महिलाओं को बराबरी का हक हासिल हुआ और वंचित–शोषित लोगों को आरक्षण का अधिकार मिला। अनुच्छेद 370 और 35(अ) हमारी राजनीतिक पराजय का प्रतीक था। देश ने उसे संविधान से हटाकर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में दिए गए अपने भाषण में कहा था कि किसी भी देश के संविधान की सफलता उस देश के नागरिकों तथा संविधान को चलाने वालों के चरित्र और उनकी नीयत पर निर्भर करती है। उन्होंने आगे कहा था कि चाहे कितना भी अच्छा संविधान क्यों न हो, यदि उसके चलाने वालों में संविधान के मूल्यों के प्रति समर्पण और उसे लागू करने का जज्बा न हो, तो संविधान निर्जीव अक्षरों का समूह मात्र बना रहेगा।

केजरीवाल के बैकफुट पर आने से बदले समीकरण

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र के साथ एक अरसे से जारी अपने टकराव में तू डाल–डाल, मैं पात–पात की स्थिति में तो रहे हैं, लेकिन अब लग रहा है कि धारणाओं की लड़ाई में वो पिछड़ने लगे हैं। जैसे ही ईडी ने शराब घोटाले में आप नेताओं पर अपना शिकंजा कसा और दिल्ली का सामना विगत छह वर्षों में नवम्बर की सबसे दूषित आबोहवा से हुआ, केजरीवाल उन दो बिंदुओं पर लड़खड़ाते हुए नजर आए, जिन पर उन्होंने अपना राजनीतिक–ब्रांड निर्मित किया था– भ्रष्टाचार की नकेल और सुप्रशासन। केजरीवाल के दो प्रमुख सहयोगी– उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह आज सलाखों के पीछे हैं। राजधानी में शराब बिक्री के निजीकरण सम्बंधी 2021 के निर्णय के बाद मनी लॉन्ड्रिंग और रिश्वतखोरी के आरोपों में उन पर ईडी और सीबीआई की जांच चल रही है। विवाद के बीच आबकारी नीति को वापस ले लिया गया था, लेकिन इसने केंद्रीय जांच एजेंसियों को आप के शीर्ष नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज करने से नहीं रोका। आरोप केजरीवाल के दरवाजे तक पहुंच गए हैं। उन्हें ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि वे अब तक पूछताछ से बचने में कामयाब रहे हैं, लेकिन कब तक? दिल्ली में चर्चा आम है कि ईडी आप को सह–साजिशकर्ता के रूप में नामित कर सकती है और केजरीवाल को पार्टी संयोजक के रूप में उनकी जिम्मेदारी के कारण गिरफ्तार किया जा सकता है। आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने में जो विडम्बना निहित है, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह पार्टी यूपीए सरकार के खिलाफ अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार–विरोधी आंदोलन से जन्मी थी। केजरीवाल भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्य दलों को आक्रामकता से आड़े हाथों लेते हुए अपनी मिस्टर क्लीन की छवि का प्रदर्शन करने से कभी नहीं थकते। हालांकि जब सिसौदिया को गिरफ्तार किया गया तो शुरुआत में दिल्ली के सीएम ने अपना चिर–परिचित विक्टिम–कार्ड खेलने की कोशिश की थी, लेकिन इस खुलासे के बाद कि उन्होंने सीएम–निवास के नवीनीकरण पर 45 करोड़ रु. खर्च किए थे, उनकी इस रणनीति की विश्वसनीयता खो गई। इसे शीशमहल घोटाला कहा गया और आप के निजी सर्वेक्षणों ने पुष्टि की कि इससे लोगों की नजरों में केजरीवाल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। केजरीवाल सोच ही रहे थे कि अगला कदम क्या उठाया जाए कि इधर दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ना शुरू हो गया। पिछले साल आप ने अपने द्वारा शासित पंजाब में खेतों में लगाई जाने वाली आग को नियंत्रित करके, दिल्ली में स्मॉग टॉवर स्थापित करके और हवा को साफ करने के लिए दर्जनों वॉटर–गन्स तैनात करके नवम्बर के महीने को कुछ हद तक धुंध से मुक्त रखा था। लेकिन इस साल तो दिल्ली सरकार मानो गहरी नींद में सोती हुई पकड़ी गई। उच्चतम न्यायालय ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर ढिलाई बरतने के लिए दिल्ली और पंजाब दोनों की आप सरकारों को जमकर फटकार लगाई। जैसे–जैसे दिल्ली का दम घुटता गया, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कराने में आप की सफलताएं अपने आप राजधानी के निवासियों की स्मृति में सिमटती चली गईं। पहली बार ऐसा लग रहा है कि दिल्ली के दबंग मुख्यमंत्री खुद को परेशानियों से बाहर निकाल पाने की कोई कारगर रणनीति नहीं बना पा रहे हैं। खुद को विक्टिम दिखाने से अब बात नहीं बनती। स्पष्टीकरण बहानों की तरह लगते हैं। वे लगातार चुप्पी साधे हुए हैं और बहुत कम नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने आखिरकार केजरीवाल को बैकफुट पर ला ही दिया। जबकि केजरीवाल तब से ही मोदी के लिए कांटा बने हुए थे, जब उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से उन्हें चुनौती देने का दुस्साहस किया था। हालांकि उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसके बाद हुए दिल्ली के दोनों विधानसभा चुनावों में केजरीवाल ने भाजपा को करारी शिकस्त देकर राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर अपनी जोरदार मौजूदगी दर्ज कराई थी। उसके बाद तो उनकी महत्वाकांक्षाओं को पर लग गए थे। प्रधानमंत्री बनने की चाहत में केजरीवाल ने लगातार मोदी को चुनौती दी और दिल्ली सरकार की शक्तियों को केंद्र सरकार की शक्तियों के खिलाफ खड़ा कर दिया। उन्हें जनता की सहानुभूति भी मिली। लेकिन अब बाजी उलटती नजर आ रही है। और चाहे उन्हें यह पसंद हो या नहीं, इन हालात से बाहर निकलने के लिए उन्हें इंडिया गठबंधन के समर्थन की अब पहले से कहीं ज्यादा दरकार होगी।

अपोलोमेडिक्स अस्पताल ने करा वार्षिक वॉकथॉन का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ ने अपने वार्षिक वॉकथॉन, आओ चलें के दूसरे सीजन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वॉकथॉन में 4000 से अधिक लोगो ने भाग लिया। इस कार्क्रम की शुरवात अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल से फ्लैग दिखा के की गई। इस वॉकथॉन में हर आयु के लोगो ने बढ़–चढ़ के हिस्सा लिया।

आओ चलें – स्वस्थ रहेंय मधुमेह से लड़ें के नारे के साथ, अपोलोमेडिक्स अस्पताल का लक्ष्य इस हेल्थ वॉक को जागरूकता का माध्यम बनाना है, जो लखनऊ वासियों के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

आओ चलें वॉकथॉन में सभी वर्ग के लोगो ने भाग लिया। अपोलोमेडिक्स के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने इस आयोजन के लिए अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए कहा, ष्यह हेल्थ वॉक अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने का जश्न है और इसे सफल बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

हमे उम्मीद है कि इस पहल से न केवल स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा मिलेगा बल्कि समुदाय को भी कल्याण की भावना से जोड़ा जा सकेगा।

डॉ. मयंक सोमानी ने आगे कहा, ष्हम मानते हैं कि स्वस्थ समाज के लिए सामुदायिक जुड़ाव की शक्ति है। श्आओ चलेंश सभी के लिए एक साथ आने और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अवसर था।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चो की गाइडेन्स के लिए वर्कशाप आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0के0डी0 एकेडमी का वार्षिकोत्सव समारोह के द्वितीय दिवस जहाँ एस0 के0 डी0 एकेडमी के विक्रान्त खण्ड, वृन्दावन एवं जल संस्थान शाखा के प्री प्राइमरी से कक्षा 9 एवं 11 के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।

समारोह का शुभारम्भ डा0 राजेष्वर सिंह, (विधायक, सरोजनी नगर, लखनऊ),

नीरज सिंह (वरिष्ठ भाजपा नेता), बाबा हरदेव सिंह (पूर्व अध्यक्ष पी.सी. एस. संघ), मनोज सिंह, (पूर्व ए.डी. जी., आई पी. एस.), डॉ0 निशी पाण्डे, (एच.ओ.डी. इंग्लिश, लखनऊ यूनिवर्सिटी) एवं पी.के. श्रीवास्तव, (साइन्स टून के जनक) द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् चेयरमैन एस.के.डी. सिंह, निदेशक मनीष सिंह, उप निदेषक निषा सिंह, सह निदेषक कुसुम बत्तरा, प्रधानाचार्या विक्रान्त खण्ड डा0 कविता श्रीवास्तव, द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न, शाल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। वृन्दावन शाखा की उपप्रध ाानाचार्या अर्चना सिंह एवं जलसंस्थान शाखा की प्रधानाचार्या अन्जू सिंह ने अपने धन्यवाद भाषण द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि, अभिभावकों, प्रेस व मीडिया तथा शहर के गणमान्य नागरिकों का अभिवादन किया।

बच्चों ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत नृत्य के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत की एवं लाईट द स्काई एवं ये धरती ये अम्बर द्वारा मोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इसके अलावा कार्यक्रमों के बीच ही बच्चों ने कई संदेश भी दिये जैसे वन्य जीव हैं तो हम हैं, हमारी संस्कृति हमारा गौरव आदि बच्चो ने कृष्ण लीला पर ''गोकुल की गलियो'' में मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसको दर्शकों ने बहुत सराहा। साथ ही बच्चों ने विश्व एकता पर भी संदेश दिया एवं एक सुन्दर नाटक ''अन्न अधार स्वस्थ जीवन'' से बच्चो ने अपने अभिनय से सभी अभिभावकों एवं अतिथिगणों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की मुक्त कण्ठ से सराहना की एवं कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ–साथ बच्चों को अपने संस्कारों, अपनी धरोहरों एवं विशिष्ट संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाता है जो वाकई प्रशंसनीय है। उन्होने कहा कि आज कल बच्चों इतनी अधिक क्षमता एवं टैलेंट है और विद्यालय के प्रोत्साहन से उसमें और भी निखार आता है। वार्षिकोत्सव के अधिकतर कार्यक्रम अपने अंदर कोई न कोई संदेश छुपाए हुए हैं जो हमें झकझोरने का काम करते हैं।

विद्यालय के निदेशक मनीष सिंह ने आये अतिथि व अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए बच्चों के खूबसूरत प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि, ''हमारे एस0 के0 डी0 के संस्थापक एस.के.डी. सिंह एवं निदेशक मनीष सिंह का हमेशा यह प्रयास रहा है कि विद्यालय में विद्यार्थी का समुचित विकास हो इसीलिए शिक्षा के साथ उनके लिए समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चो की गाइडेन्स हेतु होने वाली वर्कशाप आदि आयोजित किये जाते हैं और उनके अनुशासित जीवन की झलक हमारे कार्यक्रमों में नजर आती है इसके लिए हम अपने सभी अतिथियों का अपने अभिभावकों के सहयोग व स्नेह के हमेशा आभारी रहेंगे। साथ ही जो भी संदेशात्मक प्रस्तुतियां हमारे बच्चों ने पेश की उसमें जो भी संदेश है उसको हमारा पूर्ण विद्यालय अमल करता है चाहे वो पेड़ लगाने का पर्यावरण बचाने का या जल संरक्षण का हो।

विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक एस0के0डी0 सिंह ने सभी कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया व कहा कि ''बच्चों ने जो कार्यक्रम प्रस्तुत किये वो न केवल हमारा मनोरंजन करते हैं बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता व अखण्डता से परिचित कराते हैं। लगभग सभी कार्यक्रम हम बड़ों को कोई न कोई संदेश देते हैं। हमें बच्चों के इन प्रयासों व उनकी भावनाओं को सदा उनके भीतर जिन्दा रखना है ताकि यही भावनाएं उन्हें एक सभ्य व अनुशासित भारतीय बनने में व भारत के विकास में सहयोग दें। सरोजिनी नगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में एस के डी अकादमी के वार्षिकोत्सव में सम्मानित होते हुए सम्बोधित किया व कहा कि विद्यालय ही सर्वश्रेष्ठ माध्यम है बच्चों के सम्पूर्ण विकास का स एवं एस के डी अकादमी में बच्चों को टेक्नोलॉजी व पढ़ाई के साथ खेलकूद पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है स यहाँ बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि आज के समय में हम सबको यह समझने की आवश्यकता है कि टेक्नोलॉजी बड़ी तेजी से हमारे जनजीवन पर हावी होती जा रही है हमको इसका उपयोग कहा करें व कहा ना करें।

सीएफओ एमपी सिंह ने जीआरपी कर्मियों को आग से बचाव संबंधी दिए टिप्स

अयोध्या ।रविवार को सीएफओ एमपी सिंह ने अग्निशमन कर्मियों के साथ रेलवे कैंट स्टेशन व चौकी जीआरपी अयोध्या जंक्शन पर जीआरपी कर्मियों को आग से बचाव संबंधी सुरक्षात्मक टिप्स दिए ।उन्होंने बताया कि रेल यात्रा के दौरान एक छोटी सी चूक रेल यात्रियों के जान जोखिम में डाल सकती है ।रेल यात्रा के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी न हो इसके लिए उन्होंने जीआरपी कर्मियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दिया ।उन्होंने बताया कि जब भी आप सभी किसी भी ट्रेन की चेकिंग करे तो यात्रा कर रहे सभी रेल यात्रियों से ज्वलनशील पदार्थ न लेकर चलने की अपील करे। अगर किसी भी रेल यात्रियों के पास सिलेंडर, स्टोप या अन्य ज्वलनशील पदार्थ मिले तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे ।सीएफओ एमपी सिंह ने इस मौके पर रेलवे में होने वाली आगजनी जैसी घटनाओं की रोकथाम एवं जान माल की सुरक्षा के साथ साथ बचाव कार्य हेतु अपने टीम के द्वारा साथ थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट एवं चौकी जीआरपी अयोध्या जंक्शन पर नियुक्त सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को भली भांति ट्रेनध रेलवे स्टेशनध्प्लेटफार्म पर आगजनी जैसी घटना होने के उपरान्त विस्तृत रूप से ब्रीफ करके मार्क ड्रिल भी कराया ।इस अवसर पर उन्होंने विस्फोटकध्ज्वलनशील पदार्थध एलपीजी सिलेंडर आदि से लगने वाली आग को काबू पाने के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया ।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी अयोध या कैंट राकेश कुमार राय व चौकी प्रभारी जीआरपी अयोध्या जंक्शन सुशील कुमार मिश्र सहित थाने पर मौजूद सभी उप निरीक्षक व पुलिस कर्मियों ने फायर पाउडर एक्सीटिंग्विशर एवं कार्बन डाई आक्साइड गैस सिलेण्डर का प्रयोग कर पूर्ण रूप से आगजनी की घटनाओं की रोकने अथवा काबू पाने हेतु जानकारी प्राप्त किया।

30वीं सीनियर इंडियन राउंड प्रतियोगिता रविवार को आयोजित

अयोध्या ।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ और भारतीय तीरंदाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में 30 वीं राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के तहत 19 वीं सीनियर कंपाउंड महिला–पुरुष राष्ट्रीय चौंपियनशिप का रैंकिंग राउंड में आयोजन स्थल राजकीय इंटर कालेज अयोध्या के खेल मैदान पर रविवार की सुबह प्रारंभ हुई। बताते चलें कि इससे पहले शनिवार को प्रतियोगिता के उद्घाटन के साथ 43वीं रिकर्व चौंपियनशिप (महिला–पुरुष) का रैकिंग राउंड संपन्न हुआ। पचास मीटर की इस प्रतिस्पर्धा में पहले महिलाओं का रैंकिंग राउंड प्रारंभ हुआ। इसके बाद पुरुषों का राउंड चला। आज भारतीय धनुष की 30वीं सीनियर इंडियन राउंड चौंपियनशिप भी दोपहर बाद प्रारंभ होगी। इसका भी आज रैंकिंग राउंड होगा। उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी और महासचिव अजय गुप्ता ने बताया कि यह प्रतियोगिता 30 नवंबर तक चलेगी। प्रतियोगिता में 35 राज्यों और आठ यूनिटों के 1200 से अधिक धनुर्धर प्रतिभाग कर रहे हैं। तीरंदाजी के प्रतिभागियों के लिए पहला और दूसरा दोनों ही दिन इस लिहाज से अच्छा रहा क्योंकि हवा तेज गति से नहीं चल रही थी। हवा चलने पर तीरंदाजों को लक्ष्य भेदने में समायोजन करना कठिन होता है।

दर्जनों सगाई के रस्मो की गवाह भी बनता है मेला

अयोध्या। अमौनी में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले मेले का महत्व यूं ही नहीं है। यहां लगने वाला मेला प्रत्येक साल दर्जनों जोड़ों के परिणय सूत्र मे बंधने का गवाह भी बनता है ।वर व वधू देखाई की अनौपचारिक रस्म पहली बार यहीं पूरी होती है। इसके बाद शादियां तय होती है। यहां के मेले में इलाके के ही नहीं बल्कि आसपास जिलों के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। हर घर में मेहमानों का डेरा होता है। तपोस्थली अमौनी में ही कल्याणी व गोमती का मिलन हुआ है। इसलिए यहां पर सगाई की रस्म को वरीयता दी जाती है। मान्यता हैं कि यहां पर सगाई करने से दाम्पत्य जीवन सुखमय होता है। अमौनी स्थित सन्तोष भारती के समाधि ा स्थल पर लगने वाले मेले में प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए है ।बाबा बाजार एसओ राजेश सिंह ने बताया कि मेले में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए है ।सुरक्षा को लेकर बाबा बाजार पुलिस के अलावा थाना इनायतनगर कुमारगंज खंडासा मवई पटरंगा थाने के अलावा एक सेक्सन पीएसी तैनात किए जाएंगे जो 15 अलग अलग प्वाइंट पर तैनात रहकर निगरानी करते हुए आरजक तत्वों पर खास नजर रखने के साथ साथ मेला को साकुशल सपन्न कराएंगे।

बिहार की काजल ने भगवत गीता की दी विशेष जानकारी

बिहार बिहार के छोटे से गांव पनैला की रहने वाली काजल कुमारी ने भगवत गीता के कुछ रहस्य को सुलझाते हुए गीता के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। काजल कुमारी ने सनातन धर्म पर कई पुस्तके लिखी है औरये कई धार्मिक संगठनों से भी जुड़ी हुई है। ये वर्तमान में क्राइम काउंसिल में है, लेकिन अपने धर्म और संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए उन्होंने गहन अध्ययन करके भगवत गीता के प्रति लोगों के मन की शंकाओं को दूर करने के लिए गीता के बारे में बता रही हैं। हिंदू धर्म में सबसे पवित्र ध ार्मग्रंथ गीता है। गीता से जुड़ा यदि कोई भी प्रश्न आपके मन में है, तो उसका जवाब आपको यहीं मिलेगा। इसे पढ़ने के बाद आप गीता के बारे में बहुत कुछ जान सकेंगे।'

श्रीमद्भगवद्गीता में 18 अध्याय हैं और इसमें करीब 700 श्लोक हैंहरियाणा के कुरुक्षेघ्त्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब तिथि एकादशी थीमहाभारत के भीष्म पर्व में श्रीमद्भागवद्गगीता आती है हिंदू ध ार्म मे चार वेद हैं और इन चारों वेद का सार गीता में है। यही कारण है कि गीता को हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र धर्मग्रंथ माना गया है। माना जाता है कि गीता को स्पर्श करने के बाद इंसान झूठ नहीं बोलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में खड़े होकर गीता का ज्ञान दिया था और श्रीकृष्ण और अजुर्न संवाद के नाम से ही इसे जाना जाता है। भले ही गीता का ज्ञान भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था, लेकिन अर्जुन के माध्यम से ही उन्होंने संपूर्ण जगत को यह ज्ञान दिया था।

श्रीकृष्ण के गुरु घोर अंगिरस थे दिया था और उन्होंने ही भगवान श्रीकृष्ण को सर्वप्रथम गीता का उपदेश दिया था और इसी उपदेश को भगवान ने अर्जुन को दिया था। गीता द्वापर युग में महाभारत के युद्ध के समय रणभूमि में किंकर्तव्यविमूढ़ अर्जुन को समझाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा कही गई थी, लेकिन इस वचनामृत की प्रासंगिकता आज तक बनी हुई है। हममे से बहुत लोग गीता के बारे में केवल इतना ही जानते हैं कि ये एक धर्म ग्रंथ है, लेकिन गीता से जुड़ी कई बातें या रहस्य नहीं जाते हैं। तो चलिए आप आपको गीता से जुड़ी एक छोटी–बड़ी बात बताएं।

सांसारिक वस्तुओं को त्याग ऐसे होगी ईश्वर की प्राप्ति, कृष्ण ने गीता में अर्जुन को दिखाया था मार्गजानें, गीता से जुड़ी कई रोचक और अनोखी बातें

'गीता में कितने अध्याय और कितने श्लोक हैं ध' श्रीमद्भगवद्गीता में 18 अध्याय हैं और इसमें करीब 700 श्लोक हैं। भागवत गीता महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा भी है। गीता में वेदों का निचोड़ है।

'श्रीकृष्ण के मुख से अर्जुन के अलावा गीता किसने सुनी ध' गीता को अर्जुन के अलावा भगवान श्रीकृष्ण के मुख से संजय ने सुना था और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया था। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है।

'भगवान ने गीता का ज्ञान अर्जुन को किस दिन और कितने मिनट दिया था ध' हरियाणा के कुरुक्षेघ्त्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब तिथि एकादशी थी। कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले इस ज्ञान को दिया गया था और संभवतरू उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। इसलिए ही इस दिन गीता जयंती मनाई जाती है। प्रथम दिन का उपदेश प्रातरू 8 से 9 बजे के बीच हुआ था।

'गीता में क्या खास है ध' गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म से जुड़ी कई ऐसे बातें बताई गईं है जो मनुष्य के लिए हर युग में महत्वपूर्ण हैं। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म–कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी–देवता, उपासना, प्रार्थना, यम–नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान श्रेष्ठ मानव बनना, ईश्वर को समझना और मोक्ष की प्राप्ति है।

'गीता कब लिखा गया ध' श्रीमद्भागवद्गगीता आज से लगभग पांच हजार सत्तर साल (5070) पहले लिखी गई थी।

'महाभारतके किस अध्याय में गीता है' घ्महाभारत के भीष्म पर्व में श्रीमद्भागवद्गगीता आती है। जब भगवान श्रीकृष्ण गीता का उपदेश श्रीकृष्ण को दे रहे थे तब समय रुक गया था।

'गीता का संकलन किसने किया था' ध गीता का संकलन किमहर्षि कृष्ण दैपायन व्यास ने गीता का संकलन किया था।

'गीता की उत्पत्ति क्यों हुई ध'

गीता की उत्पत्ति कौरव और पांडवों के युद्ध के समय कुरुक्षेत्र में मानी जाती है। अर्जुन विशेष कर पितामह भीष्म से युद्ध करते समय मोह से घिर गए थे और यही कारण है की भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें गीता का ज्ञान दिया था। भगवान ने अर्जुन को ज्ञान देकर धर्म का पालन करने के लिए कहा था। जिसके बाद अर्जुन युद्ध के लिए तैयार होगया था और उसने धर्म की रक्षा के लिए युद्ध किया था।

'गीता का नाम गीता क्यों पड़ा ध' गीता का अर्थ है गीत। गीता शब्द का अर्थ है गीत और भगवद शब्द का अर्थ है भगवान, अक्सर भगवद गीता को भगवान का गीत कहा जाता है। यह भगवान का गीत है इसलिए गीता का नाम गीता ही पड़ा।

'भगवत गीता में क्या लिखा है ध' गीता में लिखा है, क्रोध से भ्रम पैदा होता है, भ्रम से बुद्धि व्यग्र होती है। जब बुद्धि व्यग्र होती है तब तर्क नष्ट हो जाता है और जब तर्क मरता है तो मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है और उसका पतन शुरू हो जाता है। इस आधार पर कई ज्ञान और बुद्धि को खोलने वाली बातें लिखी हैं।

'गीता में कितने योग है ध' गीता में योग शब्द को अनेक अर्थ में प्रयोग किया गया है, परन्तु मुख्य रूप से गीता में ज्ञानयोग, कर्मयोग और भक्तियोग इन तीन योग मार्गों का विस्तृत रूप में वर्णन किया गया है।

'गीता का पाठ कैसे करना चाहिए ध गीता का दसवां अध्याय कर्म की प्रधानता को इस भांति बताता है कि हर जातक को इसका अध्ययन करना चाहिए। कुंडली में लग्नेश 8 से 12 भाव तक सभी ग्रह होने पर ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। बारहवां अध्याय भाव 5 व 9 तथा चंद्रमा प्रभावित होने पर उपयोगी है।

'भागवत कथा कितने दिन का होता है' घ्सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कलश यात्रा के साथ शुरू होता है। गीता में प्रत्येक अध याय के नाम क्या है और इसमें कितने श्लोक हैं। गीता का पहला अध्याय अर्जुन–विषाद योग है। इसमें 46 श्लोक हैं। गीता के दूसरे अध्याय ष्सांख्य–योगष में कुल 72 श्लोक हैं। गीता का तीसरा अध्याय कर्मयोग है, इसमें 43 श्लोक हैं। ज्ञान कर्म संन्यास योग गीता का चौथा अध्याय है, जिसमें 42 श्लोक हैं। कर्म संन्यास योग गीता का पांचवां अध्याय है, जिसमें 29 श्लोक हैं। आत्मसंयम योग गीता का छठा अध्याय है, जिसमें 47 श्लोक हैं। ज्ञानविज्ञान योग गीता का सातवां अध्याय है, जिसमें 30 श्लोक हैं गीता का आठवां अध्याय अक्षरब्रह्मयोग है, जिसमें 28 श्लोक हैं। राजविद्याराजगुह्य योग गीता का नवां अध्याय है, जिसमें 34 श्लोक हैं। विभूति योग गीता का दसवां अध याय है जिसमें 42 श्लोक हैं।

विश्वरूपदर्शन योग गीता का ग्यारहवां अध्याय है जिसमें 55 श्लोक है।

भक्ति योग गीता का बारहवां अध याय है जिसमें 20 श्लोक हैं।

क्षेत्रक्षत्रज्ञविभाग योग गीता तेरहवां अध्याय है इसमें 35 श्लोक हैं।

गीता का चौदहवां अध्याय गुणत्रयविभाग योग है इसमें 27 श्लोक हैं।

गीता का पंद्रहवां अध्याय पुरुषोत्तम योग है, इसमें 20 श्लोक हैं।

दैवासुरसंपद्विभाग योग गीता का सोलहवां अध्याय है, इसमें 24 श्लोक हैं।

श्रद्धात्रयविभाग योग गीता का सत्रहवां अध्याय है, इसमें 28 श्लोक हैं।

मोक्ष–संन्यास योग गीता का अठारहवाँ अध्याय इसमें 78 श्लोक है।

युवा लेखिका काजल कुमारी बिहार

दर्शनार्थियों से भरी स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में पलटी एक की मौत 5 घायल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 27 नवंबर ।ठंड आते ही कोहरे ने अपना असर दिखना शुरू कर दिया है बीते दो दिनों में जनपद में हुई सड़क दुर्घटनाओं में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तो दो कि मौत हो गई है। सोमवार सुबह सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर वाराणसी से काशी विश्वनाथ का दर्शन कर सुल्तानपुर लौट रहे स्कॉर्पियो गाड़ी पलट गई जिसमें एक लोग मौत हो गई जबकि पांच गंभीर रूप से घायल है। घायलों की पुकार सुन मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया जहां एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जो की पांच अन्य घायलों को भीतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है जिन्हें इस उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दर्शनार्थी अभिनव पाठक की जाच पड़ताल के बाद उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया और अन्य पांचों दर्शनार्थी अभिषेक पाठक, अजय गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, संतोष कुमार और प्रिंस कुमार की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। स्कार्पियो सवार सभी दर्शनार्थी एनसीसी लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी बताएं जा रहे हैं ।जो वाराणसी काशी से दर्शन कर वापस सुल्तानपुर जा रहे थे।

पुलिस मुख्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलायी गयी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विजय कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में उपस्थित अधिकारियों के साथ ष्संविधान दिवसष के अवसर पर शपथ दिलाई गयी।

इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय में नियुक्त समस्त अधिकारियोंध्कर्मचारियों द्वारा अपने–अपने कार्यालय में भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठन व मौलिक कर्तव्यों से सम्बन्धित शपथ ली गयी।

पीआरडी जवान अब करने जा रहे हैं केनरा बैंक का बहिष्कार

अयोध्या ।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) पीआरडी जवानों का कहना है कि एचडीएफसी बैंक में खाता था जो ट्रेजरी से मानदेय जाता था तो एचडीएफसी ने शांतवना दिया था कि 1 वर्ष ट्रेजरी से पैसा आने पर एक लाख का ऋण ले सकते हैं, किंतु माननीय नवनीत सहगल अपर सचिव के द्वारा आदेश हुआ की केनरा बैंक में पीआरडी जवानों का खाता खोला जाए जिससे उन्हें 3 लाख का लोन भी दिया जाए ,पीआरडी जवानों ने खाता खोलवाया ,जिसकी 3 महीना सैलरी केनरा बैंक में गई पीआरडी जवानों ने लोन के लिए आवेदन किया लेकिन केनरा बैंक इस पर नहीं ध्यान दिया और लोन देने से इनकार किया है ,यदि पीआरडी जवानों को लोन नहीं मिला तो इसकी शिकायत माननीय प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से शिकायत की जाएगी। और केनरा बैंक का पीआरडी जवान बहिष्कार करेंगे।

रौनाही से डयोढ़ी मार्ग का होगा चौड़ीकरण, शासन से मिली वित्तीय स्वीकृति, जल्द शुरु होगा निर्माण

अयोध्या ।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के बीकापुर विध ाानसभा अन्तर्गत बहुप्रतीक्षित, जनहित की सड़क रौनाही से डयोढ़ी मार्ग की वित्तीय स्वीकृति शासन से प्राप्त हो गयी है। उक्त जानकारी देते हुए बीकापुर विधायक डा. अमित सिंह चौहान ने बताया कि डयोढ़ी से रौनाही मार्ग काफी क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके निर्माण के लिए शासन को पत्र लिखा गया था मेरे लगातार प्रयास से सड़क के चौड़ीकरण और उच्चीकरण के लिए धन का आवंटन हो गया है। बहुत जल्द ही लोकनिर्माण विभाग द्वारा डयोढ़ी रौनाही मार्ग निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंन कहा कि इस सड़क के निर्माण से जनता की काफी समय की मांग पूरी हो जाएगी तथा आवागमन भी सुचारू रूप से चलने लगेगा। मेरा यही प्रयास रहता है कि पूरे विधानसभा की सभी सड़कें गड्ढा मुक्त हो। सरकार द्वारा जनहित में जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उसका आम जनता भरपूर लाभ ले। उन्होंने उक्त सड़क के निर्माण की स्वीकृत देने और धन आवंटन पर मुख्यमंत्री और लोकनिर्माण मंत्री जितिन प्रसाद का आभार व्यक्त किया है।

सीओ शाहाबाद ने किया थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पुलिस उपाधीक्षक सोमवार को पाली थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण करने पहुंचे तो प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने उन्हें सलामी दी। निरीक्षण के दौरान शाहाबाद सीओ हेमंत उपाध्याय ने प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय के साथ थाना परिसर का भ्रमण किया। सर्वप्रथम उन्होंने अपराधा रजिस्टर में प्रतिदिन लेखा न होने पर हिदायत दी कि रजिस्टर पर प्रतिदिन अपराधों का अंकन किया जाये। बाद में उन्होंने पुलिस मेस, हवालात,कंप्यूटर कक्ष ,लेखाकार कक्ष व अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया। मालखाने के निरीक्षण में असलहे के रखरखाव,व साफ सफाई के बारे में भी ध्यान देने को कहा। थाने की बैरक में साफ सफाई को लेकर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए।और अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि लंबित विवेचनाओं को जल्द पूरा करें साथ ही काम में लापरवाही न बरतें। थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा और मधुर व्यवहार किया जाये।

'कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के ग्राम नागरपाल तथा ग्राम भरगवां में कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान) के पावन पर्व पर निकली देवभूति गंगा के नाम से जानी जाती गर्रा नदी में मुँह अंधेरे ही नदी में स्नान करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने जय गंगा मैया का जयकारा लगाते हुए आस्था की डुबकी लगाकर स्नान किया और प्रसाद चढ़ाकर पूजा अर्चना की।स्नान और दान का सिलसिला भोर से ही शुरू हो गया था। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान कर पूजा अर्चना करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। कार्तिक मास भगवान विष्णु को समर्पित माना गया है।

इस मौके पर मेले में महिलाओं की भीड़ मिट्टी के बर्तनों आदि की घरेलू उपयोग में आने वाली वस्तुओं की दुकानों पर काफी दिखाई दी। वहीं बच्चों ने खेल खिलौनों की जमकर खरीददारी की। मेले में बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला।

वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट हरदोई द्वारा आगामी ३ दिसम्बर को निः शुल्क सामूहिक विवाह समारोह

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट हरदोई द्वारा आगामी 3 दिसम्बर को होने वाले निरूशुल्क सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों जोर–शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में पूर्व में पंजीकृत सभी जोड़ों का साक्षात्कार पूर्ण हो चुका है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी ने बताया कि वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट का आरम्भ ष्सर्वे भवन्तु सुखिनः के आधार पर स्मृति शेष अमिय कृष्ण चतुर्वेदी पूर्व जिलाधिकारी हरदोई द्वारा 2001 में किया गया था तभी से प्रतिवर्ष ष्सामूहिक विवाह समारोहष् में 51जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाता है इसी क्रम में इस वर्ष कुल 22 जोड़ों का विवाह हरदोई में तथा 29 जोड़ों का विवाह छत्तीसगढ़ के नक्सलवादी क्षेत्र सुकुमा में पल्लवी चतुर्वेदी पुत्री पुण्यात्मा अमिय कृष्ण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पूर्व की भांति संपन्न होगा। हरदोई में 17 जोड़े विवाह बन्धन में बंधेंगे और 5 जोड़ों का निकाह होगा। सभी जोड़ों के टोकन जारी कर दिए गये है।

ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी अरुणेश बाजपेयी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि इस वर्ष के सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि श्री अरविंद कुमार (सेवानिवृत्त आई. ए.एस.) चौयरमैन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग तथा विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह (आई. ए.एस.), पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी (आई. पी.एस. व गिरीश जोशी प्रमुख लिस्टिंग और ट्रेडिंग विकास बॉम्बे स्टाक एक्सचेंज अपने आशीर्वचनों से नवयुगलों को अभिसिंचित करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि विवाह और निकाह से सम्बंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है।

इस अवसर पर ट्रस्टी अविनाश चन्द्र गुप्ता, अतुल कपूर, करुणा शंकर द्विवेदी तथा सहयोगी गण गिरीश मिश्र, श्रवण दीक्षित,श्रवण कुमार राही,अनिल श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव,प्रेम शुक्ला,राकेश आदि उपस्थित रहे।

इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल ने कोतवाली में की साप्ताहिक समीक्षा गोष्टी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। इंस्पेक्टर विद्या सागर पाल ने कोतवाली पचदेवरा पर मौजूद सभी अधिकारीध्कर्मचारीगण को बुलाकर थाना प्रांगण में साप्ताहिक समीक्षा गोष्टी की गयी। गोष्ठी में मुझ प्रभारी निरीक्षक द्वारा शासन व उच्चाधिकारी से प्राप्त सभी आदेशो व निर्देशो से अवगत कराया गया तथा निर्देशित किया गया कि शासन व उच्चाधिकारीगण से प्राप्त आदेशो का कड़ाई से पालन किया जाये। थाने पर आने वाले पीडित की समस्या को त्वारित कार्यवाही कर निस्तारित किया जाये तथा जनता से अच्छा व्यवहार किया जाये। थाना क्षेत्र में मौजूद आपराधिक प्रवृत्ति वाले

व्यक्तियो का सत्यापन कर उनकी सक्रियता के आधार पर उनके विरूद्ध कठोरात्मक कार्यवाही की जाये। प्रभारी निरीक्षक विद्या सागर पाल द्वारा अधीनस्थ कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि थाना क्षेत्र में घूम फिर कर साइबर सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करे तथा किसी भी प्रकार की साइबर सम्बन्धित ठगी होने पर उसकी शिकायत 1930 नम्बर कर काल कर दर्ज कराये। सभी अधिकारीध्कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि शासन व उच्चाधिकारीगण द्वारा चलाये जा रहे आपरेशन दृष्टिध त्रिनेत्र से लोगो जागरूक सुरक्षात्मक दृष्टि हेतु अधिक से अधिक कैमरो को लगाये जाने हेतु लोगो को प्रोत्साहित करें व आईजीआरएस में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अधीनस्त को यातायात नियमों का स्वयं के द्वारा पालन करने तथा यातायात के नियमो का पालन कराने हेतु निर्देशित किया गया। सभी से समस्याओं के सम्बन्ध में पूछा गया किसी ने कोई समस्या नही बताई।

अधिवक्ता संघ की नव निर्वाचित पदाधिकारियो को खाते के संचालन पर बैठक मे मिली अनुमति

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) अधिवक्ता संघ फैजाबाद अयोध्या की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी वित्तीय मामले में आ रही समस्या को लेकर आमसभा की खुली बैठक बुलाई जिसमें चर्चा के बाद उनको अधिवक्ता संघ के खातों के संचालन की अनुमति दी गई। 31 जुलाई के बाद खातों पर लगी रॉक के चलते अधिवक्ता संघ मैं हो रहा है नवनिर्माण कर्मचारियों के वेतन एवं अन्य जरूरत के लिए बैंक खातों के संचालक पर लगी रोक के चलते खासी समस्या का सामना करना पड़ रहा था उच्च न्यायालय के निर्देश पर अधिवक्ता संघ की कराए गए चुनाव मैं जीते अध्यक्ष पारस पांडे मंत्री विपिन कुमार मिश्रा कोषाध्यक्ष मुन्ना सिंह सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में आम सभा की बैठक बुलाई गई जिसमें पूर्व अध्यक्ष बबन प्रसाद चौबे अरविंद सिंह रंजीत बहादुर सिंह विजय बहादुर सिंह गिरीश तिवारी रामशंकर यादव सौरभ मिश्रा संजीव दुबे वाई वी मिश्रा आदि के सुझाव पर नहीं कार्यकारिणी को खातों के संचालन की अनुमति पर राय बनी अध्यक्ष ने खातों के संचालन की व्यवस्था दिया। जिसको आम सभा ने पारित किया। उसके साथी नई कर कार्यकारिणी और अध्यक्ष को खातों के संचालन के साथ वित्तीय व्यवस्था के सहारे अधिवक्ता संघ के कार्यों को सुचारू रूप से संचालन का रास्ता साफ हो गया। सदस्यों द्वारा नवनिर्वाचित कमेटी के कार्यकाल एवं अन्य बिंदुओं पर चर्चा के लिए दूसरी बैठक में प्रस्ताव आने पर निर्णय लेने की सहमति उपस्थित सदस्यों ने दिया।

कार्तिक पूर्णिमा का स्नान रात ४ बजे से ही शुरू, सरयू तट पर लाखो श्रद्धालुओं का उमड़ा जैन सैलाब

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

रविवार से ही अयोध्या रामनगरी मे लाखो श्रद्धालुओं ने रात 2 बजे से ही विभिन्न घाटों पर मां सरयू के पवन जल से स्नान करना शुरू कर दिया है। अभी तक लाखो लोग डुबकी लगा चुके है। भीड़ के कारण लोगो को एक किमी से अधिक पैदल चलना पड़ रहा है। पुलिस के जवान पूरी तरह से मुस्तैद है। रात से ही प्रशासनिक अधिकारी निरीक्षण पर है। नगर निगम की स्वच्छ व्यवस्था काफी अच्छी दिख रही है। नगर के कर्मचारी भी घाटों पर मुस्तैद है। लोग स्नान के बाद रामलला, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, नागेश्वरनाथ, दशरथ महल, बड़ी छावनी, छोटी छावनी, हनुमत सदन, बड़ा स्थान, नेपाली बाबा, रंग महल सहित तमाम मठ मंदिरों में पूजा अर्चना और अपने गुरुओं का क दर्शन कर रहे हैं।

समाजवादी शिक्षक सभा जिला कमेटी का मनोनयन पत्र वितरण समारोह हुआ सम्पन्न

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी पर समाजवादी शिक्षक सभा जिला कमेटी का मनोनयन पत्र वितरण समारोह मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश महासचिव एवं मंडल प्रभारी अयोध्या डॉक्टर जितेंद्र प्रसाद मिश्रा ने कहा शिक्षकों का सम्मान जितना समाजवादी पार्टी की सरकार में नेताजी मुलायम सिंह यादव एवं अखिलेश यादव ने किया उतना आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किया श्री मिश्रा ने कहा की वर्तमान सरकार में शिक्षक पूरी तरीके से परेशान है वह चाहे शिक्षामित्रों का मामला हो या तदर्थ शिक्षकों का अथवा शिक्षा प्रेरकों सभी शिक्षक इस सरकार से परेशान हैं उन्होंने कहा कि आने वाले 2024 में लोकसभा चुनाव में शिक्षक लोग समाजवादी पार्टी का सांसद बनाकर केंद्र सरकार में अपनी आवाज को बुलंद करेंगे इस अवसर पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन ने कहा कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेता जी एक शिक्षक थे उन्होंने शिक्षकों का दर्द जाना और शिक्षा के विकास के लिए तमाम योजनाओं को लागू किया जिसका लाभ आज भी शिक्षक समाज पा रहे हैं उन्होंने कहा कि तमाम कॉलेजों को एडेड करके शिक्षकों का सम्मान बढ़ाने का भी काम समाजवादी पार्टी ने किया है उन्होंने कहा है आने वाले लोकसभा चुनाव में शिक्षक समाज एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को सांसद बनने का काम करें जिससे शिक्षकों का सम्मान पुनः बढ़ सके महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सरकार में हमेशा सभी वर्गों के लिए काम किया है इस सरकार में दलित पिछड़े अल्पसंख्यक शिक्षक व्यापारी नौजवान किसान महिलाओं सभी के लिए विकास का काम किया है इस अवसर पर कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार में शिक्षक बहुत ही परेशान है शिक्षकों का सम्मान हमेशा समाजवादी पार्टी के सरकार में नेताजी मुलायम सिंह यादव एवं अखिलेश यादव की सरकार में बढ़ा है सभी शिक्षकों को संकल्प लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताकर दिल्ली पहुंचाने का काम करें कार्यक्रम का संचालन समाजवादी शिक्षक सभा जिला महासचिव डॉक्टर घनश्याम यादव ने किया सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि शिक्षक सभा का मनोनयन पत्र मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव शिक्षक सभा डॉक्टर जितेंद्र प्रसाद मिश्र के द्वारा वितरण किया गया सभी शिक्षकों ने 2024 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने का संकल्प लिया इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महासचिव समाजवादी पार्टी बख्तियार खान, महानगर महासचिव हामिद जाफर मीशम, शिक्षक सभा महासचिव डॉ. घनश्याम यादव, वरिष्ठ नेता बाबूराम गौड, चौधरी बलराम यादव, रामबख्श यादव, विमल सिंह यादव, अमरनाथ सिंह, दाता दीन यादव, तहसीलदार सिंह, मोहम्मद अजहर अली उस्मानी, डॉक्टर विनोद यादव, रमेश कुमार सिंह, डॉक्टर अवनीश प्रताप सिंह, डॉक्टर हनुमान प्रसाद मिश्रा, आनंद कुमार शुक्ला, प्रभाकर सिंह, अंबुज मालवीय, दालसिंगार गौड़, श्री नारायण द्विवेदी, लालचंद यादव, जयप्रकाश चौरसिया, सत्य प्रकाश, डां चंद्रवीर सिंह, डॉ संतोष मौर्य, डॉ अमित कुमार मौर्य, डॉक्टर चंद्रप्रकाश चौरसिया, डॉक्टर राजेश कुमार यादव, प्रदीप तिवारी, राम कैलाश यादव, सूर्यभान यादव, वीरेंद्र गौतम, जितेंद्र यादव आदि लोग मौजूद रहे।

भारत के सतत् विकास में सीएसआर महत्वपूर्ण-प्रो0 एम0 बी0 शुक्ला

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह के अन्तर्गत व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में दीक्षांत सप्ताह के तहत भारत के सतत विकास में कॉरपोरेट का सामाजिक उत्तरदायित्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य वक्ता प्रो0 एम0बी0 शुक्ला, सेवानिवृत्त आचार्य, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी रहे। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट जगत की जिम्मेदारी होती है कि वह सीएसआर का उपयोग सामाजिक उत्थान में करें। इससे भारत का सतत विकास होगा। देश के साथ समाज, कर्मचारियों एवं लोगों के उन्मूलन में सीएसआर का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उपयोग कॉरपोरेट जगत, पर्यावरण संरक्षण, गरीबी उन्मूलन में भरपूर योगदान है।कार्यक्रम में व्यवसाय प्रबंध एवं उधमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशू शेखर सिंह ने कहा कि सीएसआर फंड का भारत के विकास में प्रमुख भूमिका है। कार्यक्रम में प्रो अशोक शुक्ला, प्रो शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ राना रोहित सिंह, डॉ निमिष मिश्रा, डॉ आशुतोष पांडेय, डॉ श्रीष अस्थाना, डॉ रामजीत सिंह यादव, डॉ अंशुमान पाठक, डॉ रामजी सिंह, डॉ राकेश कुमार, डॉ आशीष पटेल, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ अनिता मिश्रा, डॉ रवींद्र भारद्वाज, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ कापिल देव, डॉ प्रवीण राय, डॉ संजीत पांडेय, डॉ सूरज सिंह, डॉ नवनीत श्रीवास्तव, डॉ महेन्द्र पाल सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

अवध विवि में संविधान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन हुआ

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के एलएलएम पाठ्यक्रम में दीक्षांत सप्ताह आयोजन के अन्तर्गत संविधान दिवस के अवसर पर 'इकोनॉमिक जस्टिस एंड 'इण्डियन कॉन्स्टिटयूशन' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप मे बोलते हुए विश्वविद्यालय के कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो० आशुतोष सिन्हा ने बताया कि भारतीय संविधान की उद्देशिका में आर्थिक न्याय की संकल्पना निहित है। राज्य के नीति निदेशक तत्वों में इसे मूर्त रूप देने का प्रयास किया गया है। पुरुष और स्त्री सभी नागरिको को समान रूप से जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार हो। भौतिक संशाधनों का स्वामित्व एवं नियंत्रण इस प्रकार हो जिससे सामूहिक हित का सर्वोत्तम रूप से साधन हो सके। उन्होंने बताया कि बिना किसी लैंगिक भेदभाव के समान कार्य के लिए समान वेतन हो। आर्थिक विवशता के कारण किसी भी व्यक्ति को अपने स्वास्थ एवं अवस्था के प्रतिकूल उद्योगो में संलग्न न होना पड़े।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने कहा कि भारतीय संविधान में आर्थिक न्याय को मूर्त रूप देने की अद्भुत क्षमता है। जनसामान्य को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए असहाय अवस्था मे न जाना पड़े, इतनी आर्थिक स्थिति प्रत्येक व्यक्ति की होनी चाहिए जो भारत के राज्य क्षेत्र के अन्तर्गत निवास कर रहा हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय ने कहा कि आर्थिक न्याय की संकल्पना के निहितार्थ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रत्येक व्यक्ति के पास उसके गरिमा के अनुरूप इतना आर्थिक संशाधन अवश्य होना चाहिए जिससे वह अपना जीवन गरिमापूर्ण ढंग से व्यतीत कर सके। यद्यपि गरिमापूर्ण जीवन को परिभाषित करना कठिन है,फिर भी इसके अंतर्गत मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सहज ढंग से किया जाना समिलित है। कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 अजय कुमार सिंह ने कि कहा कि न्याय शब्द का तात्पर्य समान एवं निष्पक्ष व्यवस्था है, इसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति के पास आय के पर्याप्त साधन उपलब्ध होने चाहिए, यह राज्य के साथ– साथ समाज का भी कर्तव्य है कि लोगों के मध्य व्याप्त आय की असमानता को कम करने की दिशा में कार्य करें। आजादी के सात दशक व्यतीत हो जाने के बावजूद आय की असमानता सर्वत्र देखने को मिल रही है। फिर भी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम में स्थितिया सुधर रही है। कार्यक्रम में डॉ० शशि कुमार डॉ० सन्तोष कुमार डॉ0 विवेक डॉ० वन्दना गुप्ता दिलीप शुक्ला सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

वास्तविक दुनियां में मित्रता की मंदी - डॉ० पूनम शुक्ला

अविवि में सोशल मीडिया और हमारी युवा पीढ़ी विषय पर व्याख्यान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत आवासीय परिसर में संचालित समाजशास्त्र विभाग में ''सोशल मीडिया और हमारी युवा पीढ़ी'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजा मोहन गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, अयोध्या के समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूनम शुक्ला रहीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफार्म है जो समाज में एक दूसरे को जोड़ने के लिए बनाया गया है। आज की युवा पीढ़ी इसका इस्तेमाल फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर लाइक, कमेंट, शेयर करने के लिए कर रहा है, जिसके कारण वह अनिद्रा आत्महत्या, चिंता आदि का शिकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर इतने मित्र होते हुए भी वास्तविक दुनिया में मित्रता की मंदी चल रही है। आज की पीढ़ी को जेनजी पीढ़ी कहा जाता है, जिसे पहले की तुलना में ज्यादा सुख सुविधा मिल रही है परंतु इसी से सबसे ज्यादा मानसिक पीड़ा भी मिल रही है।कार्यक्रम में विभाग के समन्वयक प्रो0 अनूप कुमार ने छात्र–छात्राओं को सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में समाजशास्त्र की शिक्षिका डॉ. प्रतिभा द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसी दौरान विभाग के समन्वयक ने मुख्य वक्ता का स्वागत रामचरितमानस भेंटकर किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा आशुकरी यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ .श्याम बहादुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. सरिता पाठक, श्रीमती विनीता पटेल, श्रीमती शालिनी पांडे, रत्नेश यादव सहित अन्य छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

किन्नर समाज को भी मिले राम मंदिर में पूजा का अधिकार - परमहंसाचार्य।

किन्नर समाज को मिले आरक्षण तभी पूरा होगा राम राज्य का सपना, किन्नरों को भी राजनीति में मिले आरक्षण।

अयोध्या।अयोध्या किन्नर समाज की गुरु पिंकी मिश्रा ने देश की सुख समृद्धि व आरोग्य के लिए जागरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन अपने निजी आवास कुचेरा बाजार में किया। कार्यक्रम में अयोध्या के जगतगुरु परमहंसाचार्य पहुंचे जहां किन्नरो ने उनकी पूजा अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान अयोध्या तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंसाचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट सेवा से मांग किया है, कि किन्नरो को एक प्रतिनिधि के रूप में किन्नर समाज का पुजारी भी होना चाहिए, जैसे कि भगवान ने कहा है कि "चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः" चारों वर्णों की सृष्टि भगवान ने की है। और चारों भगवान से पैदा हुए हैं, चारों भाई हैं , इनको ऊच नीच की भावना से न देखा जाये। कर्म के अनुरूप विभाजित हुए हैं, इसी लिए चारों वर्णों के पुजारी भी होना चाहिए। अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन आगामी 22 जनवरी के दिन अभिजीत मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र में 12:20 बजे सुनिश्चित कर दिया गया है। यह दुर्लभ मुहूर्त लगभग 5000 वर्ष के बाद पड़ रहा है। उसी दिन भगवान राम लला मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं, जो पूरे विश्व के लिए गौरव की बात है। देश के प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत करीब 4500 सौ संत, महात्मा, धर्माचार्य उद्घाटन समारोह में आ रहे हैं। इतना ही नहीं जगतगुरु परमहंसाचार्य ने कहा श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट को चाहिए कि जो प्रमुख किन्नर है, उनको रामलाल के भव्य मंदिर के उद्घाटन का निमंत्रण पत्र भेजा जाए। जगतगुरु ने कहा कि हमने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से मांग किया है। कि किन्नरो को भी आरक्षण मिलना चाहिए। चाहे लोकसभा हो चाहे विधानसभा हो कुछ सीटे ऐसी आरक्षित कर दी जाए। जिसमें किन्नर समाज के ही लोग चुनाव लड़ सके। इससे यह होगा जब किन्नर भी मंत्री, विधायक व सांसद बनेंगे तो वे अपने समाज के बारे में ज्यादा जानेंगे और बेहतर सोच सकेंगे। किन्नर देवताओं की श्रेणी में है किन्नर के ही आशीर्वाद से रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।